सुर, ताल और विद्रोह

रेचल बी. क्रॉफ़र्ड

साभार: नेशनल आर्काइव्ज़ एंड रिकॉर्ड्स एडमिनिस्ट्रेशन

अमेरिकी लोक गायिका जोन बॉयज़ वर्ष 1963 में वाशिंगटन डी.सी. में नागरिक अधिकार मार्च के दौरान अपनी प्रस्तुति देते हुए।

अमेरिका का जन्म विरोध के सुरों के कारण हुआ और अमेरिकियों ने नागरिक अधिकार, पुरुष-स्त्री भेद, श्रम अधिकारों, उपभोक्तावाद, युद्ध और राष्ट्रभक्ति के बारे में अपने संदेशों को व्यक्त करने के लिए हमेशा ही संगीत का सहारा लिया है।

दासता, श्रम और मतदान अधिकार आंदोलन और युद्ध के बीच अमेरिका की यात्रा में विरोध, प्रदर्शन और सविनय अवज्ञा आधारभूत तत्व रहे हैं। कला विरोध का अपरिहार्य वाहक रही है और बिना प्रतिनिधित्व कर के विरोध में अमेरिकी बाशिंदों की लड़ाई के जमाने से ही संगीत लोगों का पसंदीदा हथियार रहा है।

यूं तो अमेरिका का जन्म भी विरोध के कारण ही संभव हो पाया। स्वतंत्रता का घोषणापत्र द डिक्लेरेशन ऑफ़ इन्डिपेंडेंस ब्रिटिश सम्राट से 13 अमेरिकी उपनिवेशों के शासन से सम्बद्ध शिकायतों का संकल्प ही तो है। अमेरिकावासी प्रजाजनों को ब्रिटिश शासन द्वारा लागू किए गए कर चुकाना तो ज़रूरी था लेकिन ब्रिटिश संसद में उनका प्रतिनिधित्व नहीं था, उन्हें मानवाधिकारों से भी वंचित रखा जाता था। अंततः उपनिवेशों ने विद्रोह कर खुद को स्वतंत्र

जियानी सिप्ची © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी

वर्ष 1997 में बॉब डिलन एक कार्यक्रम के दौरान नॉकिन ऑन हेवन्स डोर गाते हुए। वह नागरिक अधिकार आंदोलन से अस्तित्व में आए सबसे प्रमुख गायक-गीतकार हैं और उन्होंने वियतनाम युद्ध का भी विरोध किया।

घोषित कर दिया और एक ऐसी सरकार बना ली जो न केवल प्रतिनिधित्व का वचन दे रही थी बल्कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति, समिति, अपने विश्वासों को शांतिपूर्वक व्यक्त करने और विरोध करने का अधिकार प्रदान कर रही थी। अमेरिका के पहले विरोध-गीतों में से एक लेखक पीटर सेंट जॉन का *अमेरिकन टैक्सेशन* इसी युग की देन है।

खुद पर लादी गई शर्तों के प्रत्युत्तर में गुलाम अक्सर खेतों और चर्चों में स्पिरिचुअल्स कहे जाने वाले गीत गाते थे। इनमें से कई गीत आज भी अमेरिकी चर्चों में गाए जाते हैं; और *आई शैल नॅाट बी मूव्ड, वी शैल ओवरकम* बाद में नागरिक अधिकार और श्रमिक अधिकार आंदोलनों के प्रतीक ही बन गए। इन गीतों को कई पीढ़ियों के लोकप्रिय गायकों जैसे जॉनी कैश, एला फ़िट्ज़जेरल्ड और जोन बॉयज़ ने अपने-अपने अंदाज़ में गाया है।

20वीं सदी के पूर्वार्द्ध में अपने चरम पर रहे श्रमिक अधिकार आंदोलन ने बहुत से सुपरिचित स्पिरिचुअल्स और प्रयाण गीतों को अपने ढंग से बदला। सोशलिस्ट पार्टी ने 1900 से 1920 के बीच यूजीन वी. डेब्स को पांच बार राष्ट्रपति पद के लिए अपना प्रत्याशी बनाया। डेब्स पूंजीवादी देशों में मजदूरों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन इंडस्ट्रियल वर्कर्स ऑफ़ द वर्ल्ड के संस्थापकों में से थे। इस संगठन के लिए रैल्फ़ चैप्लिन ने गृहयुद्ध के जमाने के लोकप्रिय प्रयाण गीत *बैट्ल हिम ऑफ़ द रिपब्लिक* की तर्ज़ पर *सॉलिडैरिटी फ़ॉरएवर* लिखा। इस गीत की अंतिम पंक्ति *फ़ॉर द यूनियन मेक्स अस स्ट्रांग!* प्रबंधकों और कंपनियों से जूझने के लिए श्रमिकों को एकजुट होने के लिए आह्वान करती थी। वुडी गथरी जैसे लोकगायकों ने एकजुट होने, श्रमिक संघों में शामिल होने और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने के लिए श्रमिकों का आह्वान करने वाले *सॉलिडैरिटी फ़ॉरएवर* और ऐसे ही अन्य गीत गाए। राजनीति और कला की विभाजक रेखा धुंधला गई और उनका संबंध आज भी बरकरार है।

निश्चित रूप से नागरिक अधिकार आंदोलन अमेरिकी इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। आंदोलन के नेता दासता विरोधियों और हैरियट टबमैन और फ्रेडरिक डगलस जैसे मुक्त किए गए गुलामों के कथनों को दोहरा रहे थे। उसी तरह उस दौर के संगीतकारों ने भी दासता के दौर में गाए जाने वाले स्पिरिचुअल्स और जैज़, ब्लूज़ और लोकसंगीत जैसी गायन शैलियों को पुनर्जाग्रत किया।

वर्ष 1939 में लोकप्रिय जैज़ गायक बिली हॉलिडे ने एक बेहद विचलित करने वाला गीत "स्ट्रेंज फ्रूट" गाया। यह मूलत: न्यू यॉर्क के एक यहूदी हाई स्कूल अध्यापक ल्यूइस एलेन की लिखी कविता थी जिसमें अश्वेतों के नरमेध के बाद खेतों का वर्णन था, "दक्षिण की कोमल बयार में हिलती काली देहें, पोपलर के पेड़ों पर लटके अजीब फल।" कानून के बाध्य किए जाने के कारण 20वीं सदी में अमेरिका के दक्षिणी राज्यों को मजबूरन गोरे-काले का भेदभाव खत्म करना पड़ा। बिली हॉलिडे के रिकॉर्ड बनाने-बेचने वाली कम्पनी कोलम्बिया रिकॉर्ड्स ने *स्ट्रेंज फ्रूट* को जारी करने से इसलिए इनकार कर दिया क्योंकि उसे डर था कि दक्षिणी राज्यों के श्रोता उसे नकार देंगे। आखिर यह गीत कमोडोर रिकॉर्ड्स ने जारी किया। यह रिकॉर्ड इतना प्रसिद्ध और लोकप्रिय हुआ कि 1950 के और उसके बाद के दशकों के कई कलाकारों ने स्वीकार किया कि इस गीत ने उनके संगीत और संदेश को गढ़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।

नागरिक अधिकार आंदोलन से उभरे दो महत्वपूर्ण गायक-गीतकार हैं जोन बॉयज़ और बॉब डिलन। अपने कई अन्य समकालीनों की तरह उन्होंने भी वियतनाम युद्ध का विरोध किया। मेक्सिकी पिता की बेटी बॉयज़ को अपनी युवा अवस्था के दौरान बहुत भेदभाव झेलना पड़ा था। अपने गीतों में वह अक्सर स्पेनिशभाषी अमेरिकी समुदाय को सम्बोधित करती थीं, *वी शैल नॅाट बी मूव्ड* का उनका गाया स्पेनिश संस्करण बहुत लोकप्रिय हुआ। डिलन के लिखे-गए गीतों को नागरिक अधिकार आन्दोलन के दौर के बाद के भी कई गायकों और संगीतकारों ने दोहराया।

1960 के दशक के अंतिम वर्षों की उथलपुथल ने अमेरिकी संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की। विरोध का संगीत लोक से आगे जाकर फंक, हिपहॉप और पंक जैसी शैलियों तक जा पहुंचा। हिपहॉप का जन्म 1970 के दशक में साउथ ब्रॉन्क्स में हुआ और 1980 तक यह रेडियो पर खूब सुना जाने लगा। आमतौर पर माना जाता है कि हिपहॉप की जड़ें प्रतिसंस्कृति और प्रतिरोध में हैं लेकिन सच्चाई यह है कि इसके जन्मदाता रेडियो जॉकी और कार्यक्रमों के प्रस्तोता थे जो क्लबों में संगीत प्रस्तुत करते हुए बीच-बीच में अपनी टिप्पणियां भी जोड़ते जाते थे। धीरे-धीरे यह ब्रेक डांस और ग्राफ़िती (दीवारों पर टिप्पणी लिखने) से जुड़ गया और अपने श्रोतावर्ग के पीड़ादायी अनुभवों- पुलिस की बर्बरता, आवासीय बस्तियों की दुर्दशा, गिरोहों द्वारा की जा रही हिंसा और भेदभाव- का स्वर बन गया। आज बहुत से हिप-हॉप कलाकार शहरी गरीबों के सरोकारों को स्वर दे रहे हैं और उनके बहुत ही राजनीतिक गीत लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रमों पर खूब बजते हैं।

हिपहॉप के साथ-साथ उदित पंकशैली मूलत: व्यवस्था विरोधी स्वर है। तेज़, उथलपुथल भरी लय और क्षोभ से भरे गीत इसकी पहचान हैं। ग्रीन डे जैसे समकालीन पंक बैंड अर्से से राजनीतिक और सामाजिक आलोचना का परचम लहराए हुए हैं।

अमेरिकी इतिहास के सभी दौरों में संगीत शैलियों और सामाजिक और राजनीतिक आन्दोलनों का चोली-दामन का साथ रहा है। अपने गीतों से ब्रूस स्प्रिंगस्टीन, द डिक्सी चिक्स और प्रिंस जैसे लोकप्रिय गायकों ने अमेरिकी जीवन पर गंभीर टिप्पणियां की हैं। अमेरिकियों ने विरोध के संगीत की परम्परा को संविधान के पहले संशोधन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सभा के अधिकार की सांस्कृतिक व्याख्या के रूप में अपनाया है।

रेचल बी. क्रॉफ़र्ड *मुंबई में अमेरिकी वाइस कांसुल हैं।*

ज़्यादा जानकारी के लिए:

बेटल हाइम ऑफ़ द रिपब्लिक
http://memory.loc.gov/diglib/ihas/loc.natlib.ihas.200000003/default.html

यूजीन वी. डेब्स
http://www.eugenevdebs.com/

बिली हॉलिडे का *स्ट्रेंज फ्रूट*
http://www.youtube.com/watch?v=h4ZyuULy9zs

जोन बॉयज़ का *वी शैल ओवरकम*
http://www.youtube.com/watch?v=RkNsEH1GD7Q

साभार: विकिपीडिया

सॉलिडेरिटी फ़ॉरएवर गाने वाले लोक संगीतकार वुडी गथरी ने श्रमिकों से अपने अधिकारों के लिए डटे रहने का आग्रह किया।

कार्ल वैन वेक्टेन © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी/लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस

जैज़ गायक बिली हॉलिडे द्वारा अश्वेत अमेरिकियों पर दक्षिण में अत्याचार से संबद्ध स्ट्रेंज फ्रूट को अपने अंत:करण से गाने का अन्य संगीतकारों पर ज़बरदस्त असर हुआ।

लेनॉक्स मैक्लेंडन © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी

लॉस एंजिलिस, कैलिफ़ोर्निया में वर्ष 1985 में एक कार्यक्रम के दौरान ब्रूस स्प्रिंगस्टीन ने बॉर्न इन द यूएसए गीत गाया। यह गीत राजनीतिक आंदोलनों के लिए वाम, दक्षिण और मध्यमार्गियों का वंदना गीत ही बन गया।